

March 2023

Monthly Magazine
Year 9 Issue 3

Satyug

नारायण रेकी सतसंग परिवार
In Giving We Believe

सतसुग



हमारा उद्देश्य

“हर इंसान तन, मन, धन व संबंधों से स्वस्थ हो
हर घर में सुख, शांति समृद्धि हो व
हर व्यक्ति उन्नति, प्रगति व सफलता प्राप्त करे।”

बुधवार सतसंग

प्रत्येक बुधवार प्रातः ११ बजे से ११.३० बजे तक

फेसबुक लाइव पर

सतसंग में भाग लेने के लिए नारायण रेकी सतसंग परिवार के फेसबुक पेज को ज्वाइन करें और
सतसंग का आनंद लें।

नारायण गीत

नारायण-नारायण का उद्घोष जहाँ
राम राम मधुर धुन वहाँ
सबको खुशियाँ देता अपरम्पार,
जीवन में लाता सबके जो बहार
खोले, उन्नति, प्रगति, सफलता के द्वार,
बनाता सतयुग सा संसार
वो है, वो है हमारा नारायण रेकी सतसंग परिवार
हमारा सन.आर.सस.पी., प्यारा सन.आर.सस.पी.
प्यार, आदर, विश्वास बढ़ाता
रिश्तों को मजबूत बनाता, मजबूत बनाता
परोपकार का भाव जगाता
सच्चाई, नम्रता सेवा में विश्वास बढ़ाता
सत को करता अंगीकार
बनाता सतयुग सा संसार
वो है, वो है हमारा नारायण रेकी सतसंग परिवार
मुस्कान के राज बताता,
तन, मन, धन से देना सिखलाता
हमको जीना सिखलाता
घर-घर प्रेम के दीप जलाता
मन क्रम से जो हम देते वही लौटकर आता, वही लौटकर आता
बनाता सतयुग सा संसार
वो है, वो है हमारा नारायण रेकी सतसंग परिवार
सन.आर.सस.पी., सन.आर.सस.पी.

॥ ॐ ॥

पावन वाणी

प्रिय नारायण प्रेमियों,

॥ नारायण नारायण ॥



आप सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। हम महिलाएं। उस परम पिता नारायण ने हमें विशेष शक्तियों से भरपूर करके भेजा है इसलिए हमें शक्ति का पर्याय माना जाता है। हम सही मायने में शक्ति के पर्याय बनें इसके लिए जरूरी है कि हम विचार, वाणी, व्यवहार से सकारात्मक हों, ईमानदार हों, वफादार हों, विनम्रता से भरपूर होकर अपने परिवार और अपने से जुड़े हर व्यक्ति को अपना सर्वोत्तम दें। परिवार के प्रति हमारी ज़िम्मेदारियाँ सर्वोपरि हैं। यदि पारिवारिक ज़िम्मेदारियों के चलते कुछ पीछे छोड़ना भी पड़े तो उसे छोड़ने में हमें संकोच नहीं करना चाहिए। उस परम पिता ने स्त्री और पुरुष को विशेष मकसदों से बना कर इस दुनिया में भेजा है। तो हमारा यह कर्तव्य बनता है कि परम पिता ने जिस मकसद से हमें इस दुनिया में भेजा है उन कर्तव्यों का निर्वाह हम सर्वोत्तम तरीके से करें साथ ही अपनी उन्नति पर भी ध्यान देते हुए निरंतर विकास की ओर आगे बढ़ें।

इतिहास अनेकों महान महिलाओं की गाथाओं से भरा पड़ा है जहां महिलाओं ने पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को निभाते हुए देश और समाज के कल्याण के लिए कार्य किया और समाज को ऊंचाइयों तक पहुंचाया। मेरी एनआरसीपी की मेरी टीम ऐसी ही महिलाओं में शामिल हैं। मैं स्वयं को कृपाशाली मानती हूँ कि परम पिता ने हम सबको चुना।

शेष कुशल

R. Modi

॥ नारायण नारायण ॥

-: संपादिका :-

संध्या गुप्ता

09820122502

-: प्रधान कार्यालय :-

राजस्थानी मंडल कार्यालय

बेसमेंट रजनीगं धा बिल्डिंग, कृष्ण वाटिका मार्ग,
गोकुल धाम, गोरेगांव (ई), मुंबई - ४०० ०६३.

-: क्षेत्रीय कार्यालय :-

अहमदाबाद	जैविनी शाह	: 9712945552
आगरा	अंजनामित्तल	: 9368028590
अकोला	रिया / शोभा अग्रवाल	: 9075322783/ 9423102461
अमरावती	तरुलता अग्रवाल	: 9422855590
बैंगलोर	शुभांगी अग्रवाल	: 9341402211
बैंगलोर	कनिष्का पोद्दार	: 7045589451
बड़ोदा	दीपा अग्रवाल	: 9327784837
भंडारा	गीता शारदा	: 9371323367
भोलवाड़ा	रेखा चौधरी	: 8947036241
बस्ती	पूनम गाडिया	: 9839582411
भोपाल	रेनुगडानी	: 9826377979
बीना (मध्यप्रदेश)	रश्मि हुक्कट	: 9425425421
बनारस	अनीता भालोटिया	: 9918388543
दिल्ली (पश्चिम)	रेनु विज	: 9899277422
दिल्ली (पूर्व)	मीनू कौशल	: 9717650598
दिल्ली (प्रीतमपुरा)	मेघा गुप्ता	: 9968696600
धुले	कल्पना चौराडिया	: 9421822478
डिब्रूगढ़	निर्मलाकेडिया	: 8454875517
धनबाद	विनीता दुधानी	: 9431160611
देवरिया	ज्योति छापरिया	: 7607004420
गुवाहाटी	सरला लाहीटी	: 9435042637
गुडगाँव	शीतल शर्मा	: 9910997047
गोंदिया	पूजा अग्रवाल	: 9326811588
गाजियाबाद	करुणा अग्रवाल	: 9899026607
गोरखपुर	सविता नांगलिया	: 9807099210
हेदराबाद	स्नेहलता केडिया	: 9247819681
हरियाणा	चन्द्रकला अग्रवाल	: 9992724450
हींगन घाट	शीतल टिबरेवाल	: 9423431068
इंदौर	धनश्री शिरालकर	: 9324799502
इचलकरंजी	जयप्रकाश गोयनका	: 9422043578
जयपुर	सुनीता शर्मा	: 9828405616
जयपुर	प्रीती शर्मा	: 7877339275
जालना	रजनी अग्रवाल	: 8888882666
झुंझुनू	पुष्पा टिबरेवाल	: 9694966254
जलगाँव	कला अग्रवाल	: 9325038277
कानपुर	नीलम अग्रवाल	: 9956359597
खामगाँव	प्रदीप गरोदिया	: 8149738686
कोल्हापुर	जयप्रकाश गोयनका	: 9422043578
कोलकता	सी.एसंगीता चांडक	: 9330701290
कोलकता	श्वेता केडिया	: 9831543533
मालेगाँव	आरती चौधरी/रेखा गरोदिया	: 9673519641/ 9595659042
मोरबी (गुजरात)	कल्पना जोशी	: 8469927279
नागपुर	सुधा अग्रवाल	: 9373101818
नांदेड	चंदा काबरा	: 9422415436
नासिक	सुनीता अग्रवाल	: 9892344435
नवलगढ़	ममता सिंगरोडिया	: 9460844144
पिछौरा	स्मिता मुकेश भरतिया	: 9420068183
परतवाडा	राखी अग्रवाल	: 9763263911
पूना	आभा चौधरी	: 9373161261
पटना	अरविंद कुमार	: 9422126725
पुरुलिया	मृदु राठी	: 9434012619
रायपुर	अदिति अग्रवाल	: 7898588999
रांची	आनंद चौधरी	: 9431115477
रामगढ़	पूर्वी अग्रवाल	: 9661515156
राउरकेला	उमा देवी अग्रवाल	: 9776890000
शोलापुर	सुवर्णा बल्दावा	: 9561414443
सूरत	रंजना गाडिया	: 9328199171
सीकर	सुषमा अक्षवाल	: 9320066700
सिलीगुड़ी	आकांक्षा मुधडा	: 9564025556
विशाखापत्तनम	मंजू गुप्ता	: 9848936660
उदयपुर	गुणवंती गोयल	: 9223563020
विजयवाड़ा	किरण झंवर	: 9703933740
वर्धा	अन्नपूर्णा	: 9975388399
यवतमाल	वंदना सूचक	: 9325218899

संपादकीय

प्रिय पाठकों,

॥ नारायण नारायण ॥

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। उस परम पिता ने हम महिलाओं को शक्ति के प्रतीक के रूप में इस दुनिया में भेजा है। हम महिलाएं अपनी ज़िम्मेदारियों को निभाते हुए कुछ ऐसा कर गुजर रहीं हैं कि उस परम पिता को ही नहीं इस सम्पूर्ण ब्रह्मांड को अपनी इस रचना (महिला) पर गर्व हो उठता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इस मौके पर सतयुग के इस अंक में हम समाज और देश के कल्याण के लिए महिलाओं की भूमिका पर चर्चा करेंगे। आज हम सब यह वादा खुद से करते हैं हम महिलाएं हैं शक्ति का अवतार हैं तो हम शक्ति के रूप में अपनी सभी ज़िम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे और नारी के रूप में अपने जीवन को सार्थक करेंगे।

इन शुभकामनाओं के साथ

आपकी अपनी
संध्या गुप्ता

अंतरराष्ट्रीय कार्यालय :

नेपाल
आस्ट्रेलिया
बैंकाक
कनाडा
दुबई
शारजहा
जकार्ता
लन्दन
सिंगापुर
डबलिनओहियो
अमेरिका

रिचा केडिया 977985-1132261
रंजना मोदी 61470045681
गायत्री अग्रवाल 66897604198
पूजा आनंद 14168547020
विमला पोद्दार 971528371106
शिल्पा मांजरे 971501752655
अपेक्षा जोगनी 9324889800
सी.ए. अक्षता अग्रवाल 447828015548
पूजा गुप्ता 6591454445
स्नेह नारायण अग्रवाल 1-614-787-3341

आपके विचार सकारात्मक सोच पर आधारित आपके लेख, काव्य संग्रह आमंत्रित है - सतयुग को साकार करने के लिये/आपके विचार हमारे लिये मूल्यवान हैं। आप हमारी कोशिश को आगे बढ़ाने में हमारी मदद कर सकते हैं। अपने विचार उद्गार, काव्य लेखन हमें पत्र द्वारा, ई-मेल द्वारा भेज सकते हैं।
हमारा ई-मेल है 2014satyug@gmail.com

we are on net



YouTube

narayanreikisatsangparivar @narayanreiki

प्रकाशक : नारायण रेकी सतसंग परिवार
मुद्रक : श्रीरंग प्रिन्टर्स प्रा. लि. मुंबई.
Call : 022-67847777

॥नारायण नारायण॥



इतिहास गवाह है कि जीवन के आरंभ से ही महिलाएं घर में, समाज में, देश के विकास में अपनी महती भूमिका निभाती आ रही हैं। सतयुग में भी विचार, वाणी, व्यवहार की साधना करके, रिश्तों को जीवन में सर्वोपरि रख कर, घर को संभालते हुए अपनी जिम्मेदारियों को सर्वोत्तम तरीके से निभाते हुए, महिलाएं समाज कल्याण के पथ पर आसानी से चलकर सतयुग का शंखनाद कर सकती हैं। यह साबित किया राज दीदी और उनकी महिलाओं की टीम ने क्योंकि nrsp और राज दीदी का मानना है एक स्त्री चाहे तो अपने जीवन को सप्तसितारा बना सकती है। ऐसा तब ही होगा जब वह विचार, वाणी, व्यवहार से सकारात्मक रहकर, ईमानदारी और वफादारी के मार्ग पर चले विनम्रता से अपना सर्वोत्तम दे और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करे। जब महिलाएं ऐसा करती हैं तो सम्पूर्ण प्रकृति, सभी परिजन, पूरा समाज उनके इस कार्य में मदद करते हैं।

सबसे पहले हम महिलाओं को यह समझना होगा कि हम अपने आप में पूर्ण हैं। हमें अपने आप को प्रवृत्त करने या सिद्ध करने की ज़रूरत नहीं है। सृजन की क्षमता, ममता और वात्सल्य का कोमल भाव हम महिलाओं को इस संपूर्ण धरा के सभी प्राणियों से विशेष बनाते हैं। हमें अपनी विशेषता को ध्यान रखते हुए रचना में अपना योगदान देना है। चाहे फिर वह रचना अपने अंश की हो, चाहे वह रचना किसी संस्था की हो या चाहे वह रचना किसी समाज की हो चाहे बात फिर उन्नति, प्रगति सफलता की हो। हम स्वयं को कृपाशाली मानते हुए हर पल, हर क्षण उस परम पिता नारायण को याद करते हुए यदि कोई कार्य करते हैं तो उस कार्य में हमें सफलता मिलेगी ही चाहे वह कार्य करने की हममें शक्ति या सामर्थ्य हो या न हो। जब एक बार दृढ़ निश्चय के साथ हम आगे बढ़ती हैं तो मंजिल खुद - ब - खुद हमारी ओर बढ़ने लगती है।

आज विश्व भर में फैले नारायण रेकी सत्संग परिवार को देखते ही इस बात का अंदाज़ा आसानी से लगाया जा सकता है कि यदि हम महिलाएं सही रास्ते पर, प्रेम और विश्वास के रास्ते पर चलते हुए अपने सभी कर्तव्यों को पूरा कर रही हैं तो चारों ओर से सहयोग की बारिश होने लगती है और महिलाएं कुछ भी हासिल कर सकती हैं।

आज के इस भौतिकवादी और इंटरनेट के युग में राज दीदी और एनआरएसपी नई - नई टेक्नॉलाजी को सीख कर, बच्चों से, बड़ों से सीख कर सबको अपना सर्वोत्तम देकर सबका आशीर्वाद प्राप्त करके अपना परचम आसमान तक लहरा रही हैं। परचम लहराने के साथ- साथ सम्पूर्ण मानव सभ्यता की सोच को सकारात्मक बना रहीं हैं। पारिवारिक मूल्यों को, सामाजिक मूल्यों को नैतिक मूल्यों को जन - जन के भीतर समाहित करके लोगों के जीवन को सप्त सितारा बना रही हैं। अपनी घरेलू जिम्मेदारियां भली भांति निभती

रंजीता मालपानी को जन्मदिन (१२ मार्च) पर सुख, शांति, सेहत, समृद्धि, उन्नति, प्रगति सफलता से भरे सप्त सितारा जीवन का नारायण आशीर्वाद।

॥ ५ ॥

रहें और प्रार्थनाएं भी होती रहें अपने दिल की आवाज़ जो ब्रह्मांड ने अपने सुर में शामिल कर लीं, को जन- जन तक पहुँचने के लिए ब्रह्ममुहूर्त का समय प्रार्थनाओं के लिए चुना गया है। रिपीट टेलिकास्ट का समय भी ऐसा चुना गया है कि घर के लोगों को सुविधा रहे। दीदी सदैव एक बात कहती हैं, आपका घर आपकी प्राथमिकता है उसके बाद सतसंग और समाजसेवा। एन आर एस पी से जुड़ी हर महिला ने इसे माना, स्वीकार किया और जीवन में उतारा। परिणाम घर के पुरुष और बुजुर्ग भी हमारे साथ जुड़े। अनेकों ऐसे घर हैं जहां घर के बुजुर्ग कहते हैं हमारे घर की स्त्रियों ने स्वयं को मन से इतना खूबसूरत बना लिया है कि हम इस धरा पर रहकर स्वर्ग के आनंद को महसूस कर सकते हैं।

रेकी हीलिंग के माध्यम से तन और मन को सुन्दर बनाया जा रहा है, अपना सर्वोत्तम देकर, विनम्रता, करुणा, दया, ममता को धारण करके परिवार को भी खुशहाल बनाया जा रहा है। जीवन का कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां एनआरएसपी परिवार की महिलाओं के मदद के हाथ लोगों तक न पहुँच रहे हों। चाहे वह हीलिंग से भरे हाथ हों, चाहे कॉन्सलिंग के कोमल भावों से भरे मन, चाहे एक्स्प्रेसर करते हाथ, चाहे ज़रूरतमंदों को भोजन सामग्री पहुंचाती हुई अन्नपूर्णा या लोगों को दवाई देती फ्लोरेन्स नाइटिंगेल जैसी डॉक्टर और नर्सस।

पुरुष प्रधान इस समाज में राज दीदी ने महिलाओं की साझेदारी को सिद्ध किया है, नारी की निंदा न करो, नारी रत्नों की खान।



॥ नारायण नारायण ॥

आज का विचार



गुड़ी पाड़वा, उगादी के त्यौहार नई फसल की समृद्धि के संकेत के साथ आते हैं। इसके साथ आज नवरात्र भी शुरू हो रहे हैं। मां अन्नपूर्णा, मां दुर्गा माता के अनेक रूपों में से हैं। आज इस शुभ दिन पर हम सभी सामूहिक रूप से संकल्प लेते हैं कि हम शिद्ध से जीवन के हर क्षेत्र में ईमानदारी और वफादारी की राह पर ही चलेंगे। सही और उचित शब्दों का ही प्रयोग करेंगे और इस नव वर्ष को नए सपनों, नई उमंगों की उड़ान देकर, नए रिश्ते जोड़कर, नई खुशियां अपनाकर नए उत्साह के साथ खास बनायेंगे और जीवन को खुशियों के अनगिनत रंगों से भरेंगे।

गुड़ी पाड़वा और उगादि की ढेर सारी शुभकामनाएं।
- राज दीदी



[Narayanreikisatsangparivar](https://www.narayanreikisatsangparivar.com/)
<http://www.narayanreikisatsangparivar.com/>
Narayanreiki

२२ मार्च

॥नारायण नारायण॥



ज्ञान मंजूषा का यह स्तंभ इस बार प्रश्नोत्तर के रूप में सत्संगियों के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार है। प्रस्तुत हैं विभिन्न सत्रों में पूछे गए प्रश्न और राज दीदी द्वारा दिए गए उनके उत्तर :

प्रश्न: आजकल कई लोग straight forward बात करते हैं और बोलते हैं कि हम practical है, हम सही बोल रहे हैं, हम घुमा फिरा कर बातें नहीं करते। कभी-कभी परिवार में भी लोग एक दूसरे को कड़ी बात कह देते हैं और यह बोलते हैं, यह तो practical सी बात है। यह व्यवहार क्या सही है..??

राज दीदी: Practical होना सही है, कड़ी बात कहना सही नहीं है। कई लोग कहते हैं, मैं practical बात कह रही हूँ, हमारे घर पर इतने बजे पहुंचना जरूरी है, late night नहीं चलता है। या किसी ने घर में कहा आज मुझे कुछ काम है, बाहर जाना है, class लेनी है, खाना बनाने का काम मैं नहीं कर पाऊंगी, यह practical है। मगर आपने किस तरीके से बोला वह मायने रखता है। Practical होते हुए भी आपने विनम्रता का दामन नहीं छोड़ा, वह सही है। जैसे कि आपने कहा परिवारों में भी कुछ लोग विनम्रता को छोड़ गलत व्यवहार को अपनाते हैं, आपको विनम्रता नहीं छोड़नी है। धीरे - धीरे आपके जीवन में ऐसी अवस्था आ जानी चाहिए कि आपका व्यवहार उनपर हावी हो।

प्रश्न: आजकल के बच्चे social media पर ज़्यादा वक्त गुज़ारते हैं और चकाचौंध में बच्चे अपने घर के संस्कारों को ठीक से Imbibe (सम्मिलित नहीं कर पाते हैं) नहीं कर पाते हैं। कहीं ना कहीं बच्चों का तर्क भी सही रहता है, family के संस्कार को follow करना भी equally important है। ऐसी situation में क्या करना चाहिए..??


राज दीदी: आजकल की young generation यही चाहती है कि हमारा बच्चा संस्कारवान बने। हम बच्चों में संस्कार डालना चाहते हैं मगर आज कल TV, whatsapp, Instagram कई साधन हैं जिससे हम बच्चों को चाहते हुए भी दूर नहीं रख पाते। पहले तो आपमें यह भावना होनी चाहिए कि बच्चों में संस्कार डालने हैं। संस्कार बाज़ार में मिलने वाली वस्तु नहीं है, जो लाया और डाल दिया। आजकल parents को संस्कार डालने में efforts थोड़ा अधिक लगता है। पहले joint family होती थी और social media भी नहीं हुआ करता था, तो बच्चे ऐसे ही सीख लिया करते थे। हमने भी अपने बड़ों से कभी नहीं सुना, कि बच्चों में संस्कार कैसे डाले जाएं। बच्चे जो सुनते हैं, उसके बजाए जो देखते हैं, वह जल्दी pick up करते हैं। आप उनसे कहेंगे बड़ों की respect करो, चप्पल side में रखो, तो यह अच्छी-अच्छी ज्ञान की बातें उनके भीतर जाएंगी। यदि आप खुद यह सब नहीं कर रहे हैं, तो बच्चा हरगिज़ नहीं करने वाला unless and until कोई पुन्य आत्मा ही हमारे घर में आ जाए।

॥ ५ ॥

बच्चों को संस्कार देने के लिए हमें खुद की आदतें भी सुधार लेनी चाहिए।


प्रश्न: जैसे पांचों उंगलियां बराबर नहीं होती हैं वैसे ही हर बच्चा same नहीं हो सकता है। आजकल के Parents बहुत जागृत हो गए हैं, सही Parenting करते हैं। मगर कभी-कभी हमारे करीबी रिश्तेदार हमारे बच्चों की तुलना कर बैठते हैं, उनको दूसरे बच्चों से compare करते हैं। ऐसी situation में parents अपने बच्चों को फिर से प्रोत्साहित कैसे करें, उनकी काउंसलिंग कैसे करें, दीदी मार्गदर्शन कीजिए।

राज दीदी: बात उस बच्चे की हो रही है जो थोड़ा सा कमजोर है। जैसे आपने कहा पांचों उंगलियां बराबर नहीं होती, उस बच्चे के लिए positive affirmations देने चाहिए, जैसे भी तुम हो हमें स्वीकार हो, हम आपसे बहुत प्यार करते हैं। रोज़ रोज़ उसे अपना प्यार दर्शना है, जताना है। ऐसा करने से उसके भीतर की insecurity कम होती चली जाएगी। आपके Positive Affirmations का weightage किसी Third Person की कही किसी भी बात से अधिक रहेगा। Third Person के जाने के बाद आपने अपने बच्चे के लिए immediately positive affirmations बोले और गले लगाया तो उस बच्चे के भीतर यही चीज जाएगी कि मेरे parents मुझसे बहुत प्यार करते हैं। Third person की बातें हवा के झोंके की तरह आकर चली जाएगी। हमें नियमित कहना है कि हमें तुमसे प्यार है।



॥ नारायण नारायण ॥


आज का विचार





आज नवरात्र का दूसरा दिन । आज हम यह उपवास करेंगे कि जीवन के हर क्षेत्र में, परिस्थिति में, खास आज के दिन हम ईमानदारी बरतेंगे । इतने ईमानदार बनेंगे कि हमारे शरीर की हर कोशिका ईमानदारी के गुण से लबालब भर जाएगी और हम हर परिस्थिति में, हर व्यक्ति के साथ ईमानदारी भरा व्यवहार ही करेंगे ।

- राज दीदी

२३ मार्च

 Narayanreikisatsangparivar

 <http://www.narayanreikisatsangparivar.com/>

 Narayanreiki

॥ नारायण नारायण ॥

नारी वह धुरी है जिसके चारों ओर पूरा परिवार घूमता है। वह कई भूमिकाएँ निभाती हैं और वह भी बहुत सूक्ष्म तरीके से। महिलाएं एक माता, पारिवारिक देखभाल, किसानों, शिक्षकों, उद्यमियों, शिक्षकों जैसी अनेक भूमिकाएँ निभाती हैं। महिलाएं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और राष्ट्रों की स्थिरता, प्रगति और दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करती हैं। महिलाएं घरों में निर्णय लेने वालों की भूमिका भी निभाती हैं। विश्व स्तर पर, महिलाएं कृषि विकास में अत्यधिक योगदान देती हैं, जिसमें विश्व की कृषि श्रम शक्ति का लगभग ४३% शामिल है। कुछ देशों में, कृषि श्रम शक्ति में शामिल महिलाओं की संख्या ७०% से अधिक है।

घर पर, महिलाएँ, विशेषकर माताएँ, परिवार की भोजन योजना और आहार के बारे में निर्णय लेने की भूमिका निभाती हैं। महिलाएं घर पर भी बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों की पहल और संरक्षण करती हैं। इसके अलावा, महिलाएं न केवल घर पर अपने बच्चों की देखभाल कर रही हैं, बल्कि दुनिया के हर देश में बच्चों और बड़ों दोनों की प्राथमिक देखभाल भी कर रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से संकेत मिलता है कि महिलाएं देशों में राजनीतिक और आर्थिक संगठनों में बदलाव के कारण होने वाली समस्याओं का समाधान खोजने में अग्रणी होती हैं, जिससे परिवार को नई वास्तविकताओं और चुनौतियों से तालमेल बिठाने में मदद मिलती है।

शिक्षकों के रूप में, पूर्व-साक्षर से साक्षर अवधि तक समाज के परिवर्तन में महिलाओं की भूमिका या योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण है। बुनियादी शिक्षा, टिकाऊ नीतियों और कार्यक्रमों को विकसित करने और हासिल करने की राष्ट्र की क्षमता के लिए महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह स्पष्ट है कि शिक्षा कृषि उत्पादकता में सुधार करने में मदद करती है, लड़कियों और महिलाओं की स्थिति को संवारती है, जनसंख्या वृद्धि दर को स्थिर करती है, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ाती है और जीवन स्तर को बढ़ाती है। यह घर पर माँ है जो अक्सर दोनों लिंगों के बच्चों से स्कूल जाने और पढ़ने का आग्रह करती है। महिलाओं की भूमिका सुधार की श्रृंखला में सबसे आगे है, जिससे परिवार और समुदाय की दीर्घकालिक क्षमता बढ़ती है।

हमारी अपनी राज दीदी ने न केवल एक पत्नी, सास और दादी के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है बल्कि दुनिया भर के लोगों के जीवन को प्रकाशमय किया है। वह विचारों, शब्दों और कर्मों की सकारात्मकता को अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित करके उनके जीवन में प्रकाश स्तंभ हैं। आइये हम सभी प्रण लें कि हम स्वयं को सदगुणों से संपन्न कर संसार को अपना सर्वोत्तम देंगे।



बच्चों की फुलवारी

॥ ५ ॥

सतयुग की टीम ने इस बार जिस विषय को चुना वह बेहद खास और सभी के दिल के करीब है - सृष्टि की संरचना में स्त्री की भूमिका।

जब हम सृजन के बारे में सोचते हैं तो हमारे सामने आती है - स्त्री। यह उन सभी ८४ लाख प्रजातियों में खास है जो इस पृथ्वी पर विचरण करती हैं। आदम और हवा की कहानी एक बेहतरीन उदाहरण है, जहाँ यह माना जाता है कि परमेश्वर ने आदम को अपने स्वरूप में बनाया और फिर संतानोत्पत्ति के लिए हवा को बनाया।

हिंदू धर्म के एक ग्रंथ ऋग्वेद का देवी सूक्त स्तोत्र स्त्री ऊर्जा को ब्रह्मांड का सार घोषित करता है, जो सभी मामलों और चेतना, शाश्वत, अनंत, हर चीज की आत्मा का निर्माण करती है।

हिंदू धर्म ने हमेशा शक्ति के रूप में नारी में देवत्व की पूजा की है।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः ।

यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः ॥ मनुस्मृति ३/५६ ॥

यत्र तु नार्यः पूज्यन्ते तत्र देवताः रमन्ते, यत्र तु एताः न पूज्यन्ते तत्र सर्वाः क्रियाः अफलाः (भवन्ति) ।

जहाँ स्त्रियों की पूजा होती है वहाँ देवता निवास करते हैं और जहाँ स्त्रियों की पूजा नहीं होती है, उनका सम्मान नहीं होता है वहाँ किये गये समस्त अच्छे कर्म निष्फल हो जाते हैं।



॥ नारायण नारायण ॥ आज का विचार



आज नवरात्रा का तीसरा दिन । आज माँ के उस रूप को पूजा जाता है, जहाँ मां चंद्रमा को अपने माथे पर सुशोभित करती हैं । यह रूप पवित्रता का प्रतीक है । आज हम अपने भीतर के अहम को मिटाकर वफादारी और विनम्रता को अपनाने का वचन लेते हैं । जब हम अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति, परिस्थिति के प्रति वफादारी निभाते हैं तो प्रकृति हमारे प्रति अपनी वफादारी जरूर दर्शाएगी और एक स्वस्थ सुंदर सफल रिश्तों से हमें सुशोभित करेगी ।

- राज दीदी



२४ मार्च

 Narayanreikisatsangparivar
<http://www.narayanreikisatsangparivar.com/>
 Narayanreiki

॥ नारायण नारायण ॥

॥ ॐ ॥

आज दुनिया ८ मार्च को महिला दिवस के रूप में मनाती है लेकिन हिंदू धर्म महिलाओं को माता के रूप में एक शुद्ध ऊर्जा के रूप में पूजा करता है और चैत्र नवरात्र और अश्विनी नवरात्र मनाता है जहां मां दुर्गा को उनके विभिन्न रूपों में पूजा जाता है। कहा जाता है कि स्त्री ऊर्जा तीन रूपों में प्रकट होती है, अर्थात् दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती, जो कि क्रमशः शक्ति, धन और ज्ञान का अवतार हैं। नवरात्र में इन सभी रूपों की पूजा करते हैं। पर अंततः शक्ति एक ही है, वह है मातृ शक्ति।

हिंदू धर्म के अनुसार शिव और शक्ति आदिशक्ति को सबसे शक्तिशाली रूप बनाते हैं और सृष्टि की उत्पत्ति करते हैं। स्त्री रूप न केवल प्रजनन करता है बल्कि भावनाओं के विभिन्न रूपों की अभिव्यक्ति के लिए भी ज़िम्मेदार है। वह सृजनकर्ता है, परोपकारी है, उस ही समय में वह क्रोधी, द्वेषी, संहारक भी हो सकती है।

वो माँ है, बहन है, बेटी है, पत्नी है। वह प्रेम, भक्ति, त्याग की प्रतिमूर्ति हैं। वह मजबूत, स्वतंत्र और शक्तिशाली भी है। इन्हीं शक्तिशाली विशेषताओं के साथ नारी ने हर युग में मान्यताओं, प्रथाओं, संस्कृति, अर्थव्यवस्था को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आज और हमेशा के लिए उनसे जुड़े सभी लोगों के जीवन को प्रेरित और प्रभावित करती रहेगी। आइए नारीवाद और महिला शक्ति का जश्न मनाएं।

॥ नारायण नारायण ॥
आज का विचार

नवरात्र का चौथा दिन माँ दुर्गा के आदि शक्ति रूप को समर्पित है और वह उस प्रकाश और ऊर्जा का प्रतीक है जिसके आधार पर ब्रह्मांड का निर्माण हुआ था। शब्द ऊर्जा से भरे होते हैं। आइए आज के दिन हम संकल्प लें कि हमारे साथ जुड़े सभी लोगों द्वारा कही गई बातों को, उनके शब्दों को सकारात्मक रूप से स्वीकार करेंगे। इस तरह हम स्वयं तो सकारात्मक रहेंगे ही दूसरों को भी सकारात्मक रहने में मदद करेंगे और ब्रह्माण्ड में सकारात्मक शब्दों को ही भेजेंगे।

- राज दीदी
२५ मार्च

Narayanreikisatsangparivar
http://www.narayanreikisatsangparivar.com/
Narayanreiki

अयोध्या मालपानी को जन्मदिन (२५मार्च) पर सुख, शांति, सेहत, समृद्धि, उन्नति, प्रगति सफलता से भरे सप्त सितारा जीवन का नारायण आशीर्वाद।

॥नारायण नारायण॥



दीदी के छाँव तले

॥ ५ ॥

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जब सबसे पहले महिला शक्ति के रूप में नमन के लिए मस्तिष्क झुका तो वह थीं हमारी गुरु राज दीदी। राज दीदी ने इस सत्य को प्रस्थापित किया है कि जीवन को बदलने के लिए शक्ति की नहीं प्यार, विनम्रता, वाइब्रेशन और स्वयं को बदलने की आवश्यकता है। उनका जीवन इस बात का पर्याय है कि एक सुकोमल सी गृहणी यदि चाहे तो अपनी विनम्रता से, प्रार्थना से अपने आध्यात्मिक ज्ञान और उस परम पिता से जुड़ाव से सम्पूर्ण विश्व को सकरात्मकता से भर सकती है। दीदी ने अपनी वाणी और पद्धतियों से विश्व भर के जीवन को खुशियों से भरा है। प्रस्तुत हैं ऐसी ही कुछ शेयरिंग:-

विनम्रता धारण करने के परिणाम:- दीदी साल की शुरुआत में मैंने भी विनम्रता धारण करने का प्रण लिया था और कुछ ही दिन में चमत्कार हुआ। मेरी सोने की चेन ६ साल पहले कहीं खो गई थी। चमत्कार यह हुआ कि मेरे रसोइए ने फोन करके बताया कि उसे वॉशिंग मशीन में मेरी चेन मिल गई है। वह वॉशिंग मशीन मैंने कई साल पहले मेरे रसोइए को बेच दी थी। मशीन में कुछ खराबी आने के कारण रसोइए ने वाश टब खोला, वहां उसे चेन मिली। यह मेरे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है क्योंकि मैं उस चेन के मिलने की उम्मीद छोड़ चुकी थी।

शैलजा: अमेरिका में रहने वाली शैलजा जी बताती हैं कि उन्हें राज दीदी का 'हाऊ टू मैनेज हर्ट' का वीडियो सुन कर प्रेरणा मिली और उन्होंने सबको फोरगिव (माफ) कर दिया। यही नहीं उन्होंने अपने नियर डीयर को मैसेज भी किया कि वे आगे से कोई गलत फहमी नहीं होने देंगी और रिश्तों का मान सम्मान करेंगी। वे बताती हैं कि ऐसा करते ही तुरंत उन्हें बहु प्रतीक्षित जॉब ऑफर का ईमेल आ गया। दीदी आपका कोटि कोटि धन्यवाद।

जैकपॉट शेयरिंग अनैतिक संबंध:- कुछ महीने पहले मैं अपनी पार्लर वाली से आपके बारे में ही बात कर रही थी, तभी वहां बैठी हुई एक महिला ने हमारी बातें सुन कर कहा कि मुझे भी बताइए आप क्या-कैसे प्रार्थना करते हैं। मैंने उन्हें समझाया और साथ ही उन्होंने मेरा नंबर भी लिया। २-३ दिन बाद उनका फ़ोन आया और उन्होंने मुझे बताया कि पिछले १४ सालों से वे अपने पति से अलग रह रही हैं क्योंकि पति देव के किसी अन्य महिला से संबंध हैं। मैंने उन्हें आपके सत्रों की जानकारी दी और विश्वास दिलाया कि आप बस प्रार्थना करिए, नारायण सब ठीक करेंगे। उस महिला को इतना विश्वास आ गया कि उसने पूरी तरह से आपकी कही हर बात को अपना लिया। कुछ दिन पहले उनका फोन आया, बड़ी खुशी से बताया कि मुझे मेरे पति ने दिल्ली बुलाया है और फिर चमत्कार हुआ, उनका फ़ोन आया कि अब वे दिल्ली में ही रह रही हैं, पति के साथ। वे कहती हैं कि राज दीदी के बताए रास्ते पर चल कर ४ महीने में ही मेरे जीवन की सारी गांठें खुल गईं, जो पिछले १४ सालों से उलझी हुई थीं। अब वे अपने पति के साथ रह रही हैं, घर लेने जा रही हैं, बच्चों का भी दिल्ली के ही स्कूल में

॥नारायण नारायण॥

एडमिशन हो रहा है। सबके लिए नारायण का और राज दीदी का असीम असीम धन्यवाद है।

वाणी से घर को रामायण बनाया:-दीदी मैंने और मेरे पति ने आपके कहे अनुसार वाणी पर बहुत काम किया है। इस बार जब मेरे पति गांव गए तब प्रण ले कर गए कि चाहे कुछ भी हो जाए वे पलट कर जवाब नहीं देंगे। वहीं हमने भी यहां से यही अफर्मेंशन दिए कि लक्ष्मण जी जा रहे हैं भगवान राम, सीता माता से मिलने और दशरथ जी से मिलने। दीदी घर का माहौल बिल्कुल रामायण जैसा हो गया था, जैसे ही कुछ नारायण परिस्थिति आने जैसी लगती, मेरे पति वहां से हट जाते थे और वाणी पर पूरा संयम बनाए रखा। वहीं फिर मैं भी जब अपने मायके गई, तब अपने मम्मी पापा को यही समझाया कि भाभी हमारे घर की लक्ष्मी हैं, साक्षात अन्नपूर्णा हैं, मां सरस्वती हैं। भाभी ने हमारी बहुत अच्छे से देखभाल की और मायके में भी रामायण जैसा माहौल हो गया। मैं आने से पहले, सब लिख कर दीवार पर लगा कर आई हूं, कि भाभी हमारे घर की लक्ष्मी, सरस्वती और अन्नपूर्णा हैं, ताकि मेरे माता पिता रोज़ उसको पढ़ें और उसका अनुसरण करें। सब आपकी गाइडेंस का फ़ल है दीदी।

दीदी कहते हैं कि यही सुंदर भाव, और वाइब्रेशन हम सब का भी हो जाए, जब हम किसी से मिलने जाएं, तो समझिए सतयुग आ गया, घर घर में रामायण और जन जन में राम, लक्ष्मण, सीता विराजमान हो जायेंगे। हमारा भारत महान ।

जीवन बदल गया :-जब से मैं शादी हो कर आई थी, तब से मैं पति पर उनकी भाभी से अनैतिक संबंध होने का शक करती थी। मैं चोरी छुपे पति को देखती थी जब वे मेरी सास को पैसे ला कर देते थे। मैं हर छोटी बड़ी बात पर गुस्सा हो जाती थी और अपने पति, सास और जेठानी को खरी खोटी सुनाती थी, मेरा अधिकतर जीवन झगड़ा करने में ही गुज़रा। पति शराबी थे, उनको अनैतिक संबंधों को ले कर तंज कसती थी। परिणाम यह रहे कि, मेरा पहला बच्चा ६ दिन ही जीवित रह सका। फिर बेटी हुई, उसकी एक आंख छोटी है। उसके बाद गर्भपात करवाना पड़ा। उसके बाद बेटा हुआ, वह साल में कई बार हॉस्पिटल में एडमिट रहा। मेरा स्वास्थ्य भी नारायण हेल्प रहता है, थायरॉयड की डोज़ आए दिन बढ़ रही है, पैर की नसें कमजोर हैं, उम्र से ज़्यादा की दिखती हूँ। मैंने और मेरे पति ने पिछले कई सालों में घर की सुख शांति के लिए कई पूजा पाठ, हवन करवाए, व्रत उपवास किए, माथा टेका, ज्योतिषियों पर पैसा बहाया पर सब व्यर्थ था। एक रात जब मेरे पति गुस्से में नाराज़ हो कर घर से कहीं चले गए, तब मैंने सोचा कि जीवन को यहीं खत्म कर दूँ। यूट्यूब पर अचानक राज दीदी का वीडियो सामने आया और वह वीडियो देख कर एहसास हुआ कि यह सब मेरे ही कर्मों के फ़ल हैं जो मैंने पिछले कई सालों में किए हैं। मैंने अगले ही दिन से नारायण भवन में प्रार्थनाएं शुरू कर दीं, बस फिर जैकपॉट लगने शुरू हो गए। अब मेरे पति ने शराब पीनी छोड़ दी है, मेरी बेटी ने १२वीं कक्षा में ९५% अंक हासिल किए। मेरा बेटा भी स्पार्कलिंग स्टार है। मैं अपने नकारात्मक कर्मों के लिए नारायण भवन में क्षमा मांगती हूँ और आजीवन सकारात्मक रहने का प्रण लेती हूँ। दीदी कहते हैं, यह एक बड़ा संदेश है प्रकृति का, कि

॥नारायण नारायण॥



महिला दिवस के इस खास अंक में प्रस्तुत हैं कुछ ऐसी महिलाओं की कहानियां जिन्होंने अपने महिला होने को सार्थक किया:



गार्गी

गार्गी प्राचीन भारत की एक ज्ञानी विदुषी नारी थीं। विदुषी गार्गी का मूल नाम वाचक्वी था और यह वचक्नु ऋषि की पुत्री थी, पर गर्ग गौत्र में जन्म लेने के कारण इनका नाम गार्गी प्रसिद्ध हुआ था। गार्गी सनातन दर्शन और शिक्षाविदों के प्रति गहरी रुचि रखती थी और इनके अध्ययन से वो काफी विद्वान हो गई थीं। राजा जनक ने एक बार ब्रह्मयज्ञ नामक दार्शनिक बैठक का आयोजन किया था, जिसमें बड़े बड़े ऋषियों और विद्वानों ने हिस्सा लिया था। राजा जनक को सूझा कि यहाँ सभी विद्वान और ऋषि आए हुए हैं, क्यों न ऐसा कुछ किया जाये जिससे यह पता लगाया जा सके कि इनमें सबसे बड़ा विद्वान कौन हैं? इतनी बड़ी परीक्षा का पुरस्कार भी बड़ा ही होना चाहिए इसके लिए राजा जनक ने एक हजार गायों के सींघों पर १०-१० तोला सोना जड़वा दिया और घोषणा कर दी कि जो भी सर्वश्रेष्ठ विद्वान हो वो इन गायों को ले जाये। काफी समय तक कोई आगे नहीं आया, थोड़ी देर बाद याज्ञवल्क्यजी ने अपने शिष्य को कहा की ये सारी गायें ले चलो। इतना सुनते ही वहाँ सभी ने विरोध किया और दूसरे विद्वानों ने विदुषी गार्गी को कहा कि 'अगर आप खुद को श्रेष्ठ विद्वान समझते हो तो आपको यह सिद्ध करना होगा' और सभी ने याज्ञवल्क्यजी को शास्त्रार्थ करने की चुनौती दे दी। याज्ञवल्क्यजी जी इस पर सहमत हो गए, सभी ने बारी बारी प्रश्न किए और याज्ञवल्क्यजी ने सभी को अपने उत्तर से संतुष्ट कर दिया। एक क्षण ऐसा आया कि सभी शांत हो गए थे और याज्ञवल्क्यजी को विद्वान मान लिया गया था। उस सभा में गार्गी भी उपस्थित थी, गार्गी ने राजा से शास्त्रार्थ करने की अनुमति मांगी। एक नारी द्वारा ऐसा साहस देख सभी चकित हो गए कि बड़े बड़े ज्ञानी भी याज्ञवल्क्यजी के आगे निरुत्तर हो गए तो यह नारी क्या कर लेगी? पर प्रजापालक राजा जनक ने गार्गी का सम्मान रखा और शास्त्रार्थ की अनुमति दे दी। गार्गी ने अपने गहन अध्ययन के आधार पर आत्माओं और लोकों पर याज्ञवल्क्यजी से लगातार काफी सूक्ष्म और पैंने प्रश्न किए। राजा और सभा गार्गी के प्रश्नों के उच्च स्तर से आश्चर्यचकित हो रहे थे, सभी यह समझ चुके थे की गार्गी कोई सामान्य नारी नहीं हैं। और इधर याज्ञवल्क्यजी लगातार गार्गी के प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे पर थोड़े समय बाद वो भी नतमस्तक होकर चुप हो गए। याज्ञवल्क्यजी के चुप हो जाने के बाद गार्गी ने यकायक ही याज्ञवल्क्यजी के आगे सर झुका दिया और उन्हें श्रेष्ठ विद्वान मान लिया क्योंकि गार्गी यह बहस याज्ञवल्क्यजी को हराने के लिए नहीं कर रही थीं। गार्गी समस्त प्रश्नों के उत्तर जानती थी पर वो केवल इसीलिए प्रश्न कर रही थी कि सूक्ष्म से सूक्ष्म ज्ञान पर भी चर्चा हो सके। प्रश्नों की समाप्ति के बाद पूरी सभा ने याज्ञवल्क्यजी के साथ साथ गार्गी को भी सम्मान दिया और दिल खोलकर दोनों की प्रशंसा की। यह

॥नारायण नारायण॥

कोई सामान्य शास्त्रार्थ नहीं था बल्कि गार्गी और याज्ञवल्क्यजी के बीच जो शास्त्रार्थ हुआ था उसी के आधार पर बृहदारण्यक की ऋचाओं का निर्माण हुआ है। उपनिषदों में गार्गी की अद्वितीय दार्शनिक के रूप में काफी प्रशंसा की गई है। इसी कारण आज भी हमारे देश में गार्गी के नाम पर महिलाओं और बालिकाओं को पुरस्कार दिये जाते हैं।



दुर्गाबाई देशमुख

भारत की स्वतंत्रता सेनानी दुर्गाबाई देशमुख किसी परिचय की मोहताज नहीं। मात्र १४ साल की उम्र में ही अपने दमदार भाषण के ज़रिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भी सोचने पर मजबूर कर दिया था। ऐसी विलक्षण प्रतिभा की धनी दुर्गाबाई देशमुख का जन्म १५ जुलाई १९०९ को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी जिले के काकीनाडा में हुआ था। बचपन में ही पिता श्री रामाराव का साया सिर से उठने के बाद अपनी माता कृष्णवेनम्मा की परवरिश में वह पली बड़ी। दुर्गाबाई के मन में देशप्रेम और समाजसेवा के संस्कार बचपन से ही पड़े थे जिनके बल पर उन्होंने नमक सत्याग्रह में मशहूर नेता टी. प्रकाशम के साथ भाग लिया था, इस दौरान इन्हें एक वर्ष की जेल भी हो गई थी। लेकिन दुर्गाबाई देशमुख ने हार न मानी। बल्कि जेल से बाहर आते ही उन्होंने पुनः आंदोलन में सक्रियता दिखाई। इतना ही नहीं दुर्गाबाई देशमुख ने आंध्र प्रदेश में नारियों के उत्थान के लिए कई संस्थाओं और प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना करवाई। साथ ही आजादी के बाद योजना आयोग द्वारा प्रकाशित “भारत में समाजसेवा का विश्वकोष” भी इन्हीं के निर्देशन में तैयार हुआ था। साथ ही इन्होंने कानून की पढ़ाई कर महिलाओं के हक के लिए काफी लड़ाई लड़ी थी। तो वहीं साक्षरता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए दुर्गाबाई देशमुख को यूनेस्को पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। ९ मई १९८१ को दुर्गाबाई देशमुख का निधन हो गया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित किए गए परिवारिक न्यायालय कई परिवारों, स्त्रियों और बच्चों के हक के लिए कार्य कर रहे हैं।



कादम्बिनी गांगुली

१८ जुलाई १९६१ को बिहार के भागलपुर में जन्मी कादम्बिनी गांगुली चिकित्सा शास्त्र की डिग्री लेने वाली प्रथम महिला थी। इनके पिता बृजकिशोर बासु ने अपनी पुत्री की शिक्षा पर हमेशा ध्यान दिया। ब्रिटिश समय में महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा भले ही मुश्किलों भरी रही हो लेकिन उसी समय में

कादम्बिनी ने सिर्फ भारत ही नहीं अपितु साउथ एशिया की पहली चिकित्सा डिग्री धारक महिला के रूप में विश्व प्रसिद्ध हुई। इतना ही नहीं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्याग्रह आंदोलन के लिए कादम्बिनी ने काफी चंदा भी इकट्ठा किया था। तो वहीं बंकिम चंद्र चटर्जी की रचनाओं से प्रभावित होकर कादम्बिनी ने सामाजिक कार्यों में सक्रियता दिखाई। जिसके चलते इन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में सबसे पहली भाषण देने वाली महिला का गौरव प्राप्त है। कादम्बिनी ने कोयला खादानों में कार्य करने वाली महिलाओं के लिए भी आवाज़ उठाई। ३ अक्टूबर १९२३ को कलकत्ता में कादम्बिनी हमारे बीच से चली गईं। लेकिन देश के प्रति उनका लगाव हर भारतीय के लिए एक प्रेरणा है।



रजिया सुल्तान

इल्तुतमिश की पुत्री रजिया सुल्तान मुस्लिम समाज की पहली महिला शासिका थी। जिन्हें पर्दा प्रथा का त्याग कर पुरुषों की तरह खुले मुंह राजदरबार में जाना पसंद था। पिता की मृत्यु के बाद रजिया को दिल्ली का सुल्तान बनाया गया। रजिया प्रारंभ से ही नीति और शासन विद्या में परांगत थी, जिसके चलते उन्होंने जन कल्याण से जुड़े कई कार्यों को अंजाम दिया। हालांकि अपने प्रेमी याक़ुत के साथ उनके संबंधों की वजह से उनके राज्य को तुर्की शासकों का विद्रोह झेलना पड़ा और अंत में यही उनकी मौत का कारण भी बना।

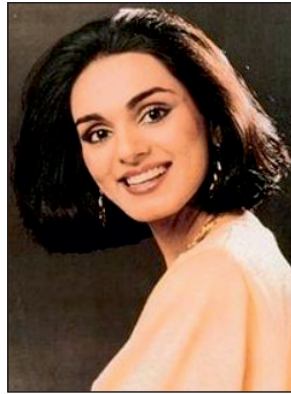


कल्पना चावला

भारत की बहादुर बेटा कल्पना चावला की भले ही १ फरवरी २००३ को कोलंबिया स्पेस शटल के दुर्घटनाग्रस्त होने के साथ ही उड़ान रुक गई लेकिन आज भी वह दुनिया के लिए एक मिसाल है। दोस्तों सोच को कोई नहीं रोक सकता सोच हमेशा उड़ान करती आई है और करती रहेगी। अंतरिक्ष की परी कहलाई जाने वाली कल्पना चावला का जन्म हरियाणा के करनाल में हुआ था। कल्पना अंतरिक्ष में जाने वाली पहली भारतीय थीं। उनके पिता का नाम बनारसी लाल और मां का नाम संजयोती देवी है। बचपन में सभी लोग उन्हें प्यार से मोटू कहकर बुलाते थे। कल्पना नाम के अनुरूप ही बचपन से ही बहुत ही कल्पना भरी सोच सखतीं थीं, वह हमेशा आकाश और उसकी

ऊंचाइयों के बारे में सोचती रहतीं। अपने पापा से विमान और चांद तारों के बारे में बातें किया करती थी। कल्पना की प्रारंभिक पढ़ाई करनाल के टैगोर स्कूल में हुई फिर कल्पना ने १९८२ में चंडीगढ़ के इंजीनियरिंग कॉलेज से एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की डिग्री ली, उसके बाद वो अपने ख्वाबों को पूरा करने अमेरिका चली गई जहां उन्होंने कोलोराडो यूनिवर्सिटी से PhD की उपाधि प्राप्त की। कल्पना को १९८८ में NASA में शामिल कर लिया गया, यहां उन्होंने बहुत सारे Research किए, उनकी लगन और मेहनत को देखते हुए बाद में चलकर उन्हें अंतरिक्ष मिशन की टॉप १५ की टीम में शामिल किया गया और देखते ही देखते उन ६ लोगों की टीम में भी उनका नाम आ गया जिन्हें अंतरिक्ष में भेजा जाना था। इसी तरह कल्पना के सपनों को पंख लग चुके थे, उनका पहला अंतरिक्ष मिशन १९ नवंबर १९९७ को अंतरिक्ष यात्रियों की टीम के साथ अंतरिक्ष शटल कोलंबिया की उड़ान एऊए-८७ से शुरू हुआ। कल्पना चावला अंतरिक्ष में उड़ने वाली प्रथम भारतीय महिला थी। यह मिशन सफलतापूर्वक ५ दिसंबर १९९७ को समाप्त हुआ। उस मिशन के बाद भारत के टैलेंट को पूरे विश्व में पहचाना जाने लगा। जिस समय भारत के लोगों को अंतरिक्ष की समझ भी नहीं थी, उस समय भारत की बेटी कल्पना चावला ने अंतरिक्ष में जाकर पूरे विश्व जगत में भारत का परचम लहराया था। सभी ने उनके जज़्बे को सलाम किया और ५ साल के बाद पुनः नासा ने उन्हें अंतरिक्ष में जाने के लिए चुना। कल्पना चावला की दूसरी उड़ान १६ जनवरी २००३ को कोलंबिया स्पेस शटल से ही आरंभ हुई यह १६ दिन का मिशन था। इस मिशन पर उन्होंने अपने सहयोगी के साथ मिलकर लगभग ८० परीक्षण और प्रयोग किया। लेकिन फिर वह हुआ जिसे सोचकर आंखें भर आती हैं, हाथों में फूल लिए हुए स्वागत के लिए खड़े वैज्ञानिक और अंतरिक्ष प्रेमी सहित पूरा विश्व उस नज़ारे को देखकर शोक में डूब गया। धरती पर उतरने से सिर्फ १६ मिनट रह गए थे, तभी अचानक शटल ब्लास्ट हो गया और कल्पना के साथ सभी अंतरिक्ष यात्री मारे गए।

दोस्तों भले ही कल्पना उस दुर्घटना की शिकार हुई हो लेकिन वह आज भी हमारे दिलों में जिंदा हैं। वे आज भी पूरे विश्व के लोगों के लिए आदर्श हैं।



नीरजा भनोट

बचपन से ही नीरजा भनोट को वायुयान में बैठने और आकाश में उड़ने की प्रबल इच्छा थी। नीरजा ने अपनी इच्छा एयर लाइन्स पैन एम ज्वाइन करके पूरी की। १६ जनवरी, १९८६ को नीरजा को आकाश छूने वाली इच्छा को वास्तव में पंख लग गये थे। नीरजा पैन एम एयरलाईन में बतौर एयर होस्टेस का काम करने लगीं। ५ सितम्बर, १९८६ की वह घड़ी आ गयी थी, जब नीरजा के जीवन की असली परीक्षा की बारी थी। पैन एम ७३ विमान कराची, पाकिस्तान के एयरपोर्ट पर अपने पायलट का इंतजार कर रहा था। विमान में लगभग ४०० यात्री बैठे हुये थे। अचानक ४ आतंकवादियों ने पूरे विमान को गन प्वाइंट पर ले लिया। उन्होंने पाकिस्तानी सरकार पर दबाव बनाया कि वह जल्द ही विमान में पायलट को भेजे। लेकिन पाकिस्तानी सरकार

॥नारायण नारायण॥

ने ऐसा करने से मना कर दिया। तब आतंकियों ने नीरजा और उसकी सहयोगियों को बुलाया कि वह सभी यात्रियों के पासपोर्ट इकट्ठे करें ताकि वह किसी अमेरिकन नागरिक को मारकर पाकिस्तान पर दबाव बना सके। नीरजा ने सभी यात्रियों के पासपोर्ट एकत्रित किये और विमान में बैठे ५ अमेरिकी यात्रियों के पासपोर्ट छुपाकर बाकी सभी आतंकियों को सौंप दिये। उसके बाद आतंकियों ने एक ब्रिटिश को विमान के गेट पर लाकर पाकिस्तानी सरकार को धमकी दी कि यदि पायलट को नहीं भेजा गया तो वह उसको मार देगे। लेकिन नीरजा ने उस आतंकी से बात करके उस ब्रिटिश नागरिक को भी बचा लिया। धीरे-धीरे १६ घंटे बीत गये। पाकिस्तान सरकार और आतंकियों के बीच बात का कोई नतीजा नहीं निकला। अचानक नीरजा को ध्यान आया कि विमान में ईंधन किसी भी समय समाप्त हो सकता है और उसके बाद अंधेरा हो जायेगा। जल्दी ही उन्होंने अपनी एसोसिएट्स को यात्रियों को खाना बांटने के लिए कहा और साथ ही विमान के आपातकालीन द्वारों के बारे में समझाने वाला कार्ड भी देने को कहा। नीरजा को पता लग चुका था कि आतंकवादी सभी यात्रियों को मारने चाहते हैं। इसलिए उन्होंने सबसे पहले खाने के पैकेट आतंकियों को ही दिये, क्योंकि उनका सोचना था कि भूख से पेट भरने के बाद शायद वह शांत दिमाग से बात करें। इसी बीच सभी यात्रियों ने आपातकालीन द्वारों की पहचान कर ली। नीरजा भनोट ने जैसा सोचा था वही हुआ। विमान का ईंधन समाप्त हो गया और चारों ओर अंधेरा छा गया। नीरजा तो इसी समय का इंतजार कर रही थीं। तुरन्त उन्होंने विमान के सारे आपातकालीन द्वार खोल दिये। योजना के अनुरूप ही सारे यात्री तुरन्त उन द्वारों से नीचे कूदने लगे। और आतंकियों ने भी अंधेरे में फायरिंग शुरू कर दी। लेकिन नीरजा ने अपने साहस से लगभग सभी यात्रियों को बचा लिया था। कुछ घायल अवश्य हो गये थे, लेकिन ठीक थे। अब विमान से भागने की बारी नीरजा की थी, किन्तु तभी उन्हें बच्चों के रोने की आवाज़ सुनाई दी। दूसरी ओर पाकिस्तानी सेना के कमांडो भी विमान में आ चुके थे। उन्होंने तीन आतंकियों को मार गिराया। उधर नीरजा उन तीन बच्चों को खोज चुकी थीं और उन्हें लेकर विमान के आपातकालीन द्वार की ओर बढ़ने लगीं। तभी अचानक बचा हुआ चौथा आतंकवादी उनके सामने आ खड़ा हुआ। नीरजा ने बच्चों को आपातकालीन द्वार की ओर धकेल दिया और खुद उस आतंकी से भिड़ गई। आतंकी ने कई गोलियां उनके सीने में उतार डालीं। नीरजा ने अपना बलिदान दे दिया। उस चौथे आतंकी को भी पाकिस्तानी कमांडों ने मार गिराया लेकिन वो नीरजा को न बचा सके।

नीरजा भनोट के बलिदान के बाद भारत सरकार ने उनको सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'अशोक चक्र' प्रदान किया। पाकिस्तान की सरकार ने भी नीरजा को 'तमगा-ए-इन्सानियत' प्रदान किया। नीरजा वास्तव में स्वतंत्र भारत की एक महानतम वीरांगना थीं। २००४ में नीरजा भनोट के सम्मान में डाक टिकट भी जारी हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नीरजा का नाम 'हिरोइन ऑफ हाईजैक' के तौर पर मशहूर है। २००५ में अमेरिका ने उन्हें 'जस्टिस फॉर क्राइम अवार्ड' दिया।

इस प्रकार हमारे इतिहास में कई ऐसी नारियों के उदाहरण हैं, जिन्होंने सिर्फ नारी समाज के लिए ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व को अपने जीवनकाल से एक गहरा संदेश दिया है कि मानवता से बढ़कर कोई धर्म नहीं होता है।

॥ ॐ ॥

Pavaan Vani



Dear Narayan Premiyo,

|| Narayan Narayan ||

Wish you all a very happy **International Women's Day. We are women.** That supreme father Narayan has sent us abundant with special powers, therefore we are considered synonymous with power. For us, to truly be synonymous with power, it is necessary that we be positive in thought, speech, behavior, be honest, be loyal, be full of humility and give our best to our family and every person associated with us. Our responsibilities towards the family are paramount, even if we have to leave something behind due to these responsibilities, we should not hesitate to leave it. That Supreme Father has sent men and women into this world with special purposes. So, it is our duty, that, for the purpose for which the Supreme Father has sent us in this world, we should perform these duties in the best possible way and at the same time keep moving forward on the path of development by paying attention to our progress.

History is full of stories of great women, where women worked for the welfare of the country and society while performing their family responsibilities and took the society to great heights. My NRSP team constitutes of such women. I consider myself blessed that the Supreme Father has chosen all of us.

Rest all good,
R.MODI

R. modi

॥ नारायण नारायण ॥

CO-EDITOR

Deepti Shukla 09869076902

EDITORIAL TEAM

Vidya Shastry 09821327562
Mona Rauka 09821502064

Main Office

Rajasthan Mandal Office, Basement Rajnigandha
Building, Krishna Vatika Marg, Gokuldham,
Goregaon (East), Mumbai - 400 063.

Editorial Office

Shreyas Bungalow No 70/74 Near Mangal Murti
Hospital, Gorai link Road, Borivali (W) Mumbai -92.

Regional Office

Amravati - Tarulata Agarwal	: 9422855590
Ahmedaba - C. A. Jaiwini Shah	: 9712945552
Akola - Shobha Agarwal	: 9423102461
Agra - Anjana Mittal	: 9368028590
Baroda - Deepa Agarwal	: 9327784837
Bangalore - Shubhani Agarwal	: 9341402211
Bangalore - Kanishka Poddar	: 70455 89451
Bhilwada - Rekha Choudhary	: 8947036241
Basti - Poonam Gadia	: 9839582411
Bhandra - Geeta Sarda	: 9371323367
Banaras - Anita Bhalotia	: 9918388543
Delhi - Megha Gupta	: 9968696600
Delhi - Nisha Goyal	: 8851220632
Delhi - Minu Kaushal	: 9717650598
Dhulia - Kalpana Chourdia	: 9421822478
Dibrugadh - Nirmala Kedia	: 8454875517
Dhanbad - Vinita Dudhani	: 9431160611
Devria - Jyoti Chabria	: 7607004420
Gudgaon - Sheetal Sharma	: 9910997047
Gondia - Pooja Agarwal	: 9326811588
Gorakhpur - Savita Nalia	: 9807099210
Goa - Renu Chopra	: 9967790505
Gouhati - Sarla Lahoti	: 9435042637
Ghaziabad - Karuna Agarwal	: 9899026607
Hyderabad - Snehlata Kedia	: 9247819681
Indore - Dhanshree Shilakar	: 9324799502
Ichalkaranji - Jayprakash Goenka	: 9422043578
Jaipur - Sunita Sharma	: 9828405616
Jaipur - Priti Sharma	: 7792038373
Jalgaon - Kala Agarwal	: 9325038277
Kolkatta - Sweta Kedia	: 9831543533
Kolkatta - Sangita Chandak	: 9330701290
Khamgaon - Pradeep Garodia	: 8149738686
Kolhapur - Jayprakash Goenka	: 9422043578
Latur - Jyoti Butada	: 965765991
Malegaon - Rekha Garaodia	: 9595659042
Malegaon - Aarti Choudhari	: 9673519641
Morbi - Kalpana Joshi	: 8469927279
Nagpur - Sudha Agarwal	: 9373101818
Navalgadh - Mamta Singodhia	: 9460844144
Nanded - Chanda Kabra	: 9422415436
Nashik - Sunita Agarwal	: 9892344435
Pune - Abha Choudhary	: 9373161261
Patna - Arvindkumar	: 9422126725
Pichhora - Smita Bharti	: 9420068183
Raipur - Aditi Agarwal	: 7898588999
Ranchi - Anand Choudhary	: 9431115477
Ramgadh - Purvi Agrwal	: 9661515156
Surat - Ranjana Agrwal	: 9328199171
Sikar - Sarika Goyal	: 9462113527
Sikar - Sushma Agrwal	: 9320066700
Siligudi - Aakaksha Mundhda	: 9564025556
Sholapur - Suvarna Valdawa	: 9561414443
Udaipur - Gunvanti Goyal	: 9223563020
Vishakhapattanam - Manju Gupta	: 9848936660
Vijaywada - Kiran Zawar	: 9703933740
vatmal - Vandana Suchak	: 9325218899

International Office

Nepal - Richa Kedia	: +977985-1132261
Australia - Ranjana Modi	: +61470045681
Bangkok - Gayatri Agarwal	: 0066897604198
Canada - Pooja Anand	: +14168547020
Dubai - Vimla Poddar	: 00971528371106
Sharjah - Shilpa Manjare	: 00971501752655
Jakarta - Apksha Jogani	: 09324889800
London - C.A. Akshata Agarwal	: 00447828015548
Singapore - Pooja Agarwal	: +659145 4445
America - Sneha Agarwal	: +16147873341

॥ ५ ॥

Editorial

Dear readers,

|| Narayan Narayan || Best wishes for International Women's Day. The Supreme Father has sent us women into this world as symbols of strength. While fulfilling our responsibilities, we women are doing things for which not only that Supreme Father, but the whole universe becomes proud of this creation (woman). On this occasion of International Women's Day, in this issue of Satyug, we will discuss the role of women regarding the welfare of the society and the country. Today we all make this promise to ourselves that we are women, we are the incarnation of Shakti, so we will fulfill all our responsibilities in the form of Shakti and make our life meaningful as women.

with best wishes,

Yours own,

Sandhya Gupta

To get

important message and information from
NRSP Please Register yourself on **08369501979**
Please Save this no. in your contact list so that you can
get all official broadcast from NRSP

we are on net



narayanreikisatsangparivar@narayanreiki

^e Publisher **Narayan Reiki Satsang Parivar,**
Printer - **Shrirang Printers Pvt. Ltd.,** Mumbai.
Call : 022-67847777

|| Narayan Narayan ||

॥ ॐ ॥

Call of Satyug

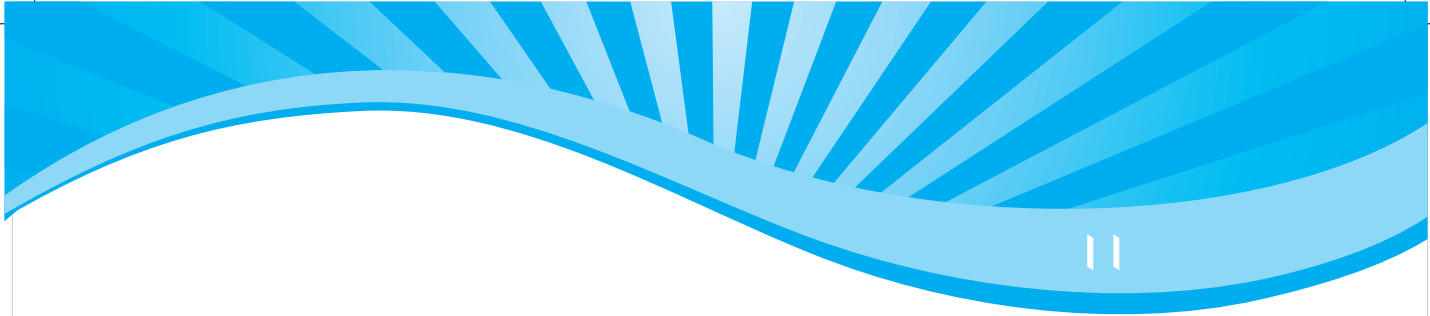
History is the witness that from the beginning of life, women have been playing a very important role in every home, society and in the development of every country. Even during Satyug, by means of right thought, speech and behavior, keeping relationships paramount in life, taking care of the house and performing their responsibilities in the best possible way, women have displayed the ability to bring in the Golden Age as her role is intrinsic to social welfare. Raj Didi and her team of women are live example of this and believe that a woman has the power to make her life seven star. This will happen only when she stays positive in thought, speech, behavior, walks on the path of honesty and loyalty, humbly gives her best and fulfills her responsibilities. When women do this, then the whole nature, all the family members, the whole society extends support.

First of all, we women have to understand that we are complete in ourselves. We do not need to prove to others or ourselves. Ability of creation, sense of affection and love make us women special from all the creatures of this world. We have to contribute towards the creation keeping in mind our specialty. Whether that creation is about ourself, whether that creation is of any organization or that creation relates to a society. If we do any work, remembering that Supreme Father Narayan every moment, considering ourselves blessed, then we will get success in that work, whether we have the power or ability to do that work or not. Once we move forward with determination, the goal itself starts moving towards us.

Today, seeing the Narayan Reiki Satsang family spread it wings all over the world, it can be easily interpreted that if we women are fulfilling all their duties, walking on the right path, the path of love and faith, then people all around us Collaborate and shower support.

In today's materialistic and internet era, Raj Didi and NRSP are hoisting their flag, learning new technologies, learning from children and elders, giving their best to everyone and getting everyone's blessings. Along with hoisting the flag, she is making the thought process of the entire human civilization positive. By incorporating family values, social values and moral values within the masses, she is

॥ नारायण नारायण ॥



making people's lives seven star. Carry out your household responsibilities well and keep praying. The time of Brahma Muhurat has been chosen for prayers to connect with the voice of your heart which is the voice of the universe. The time of repeat telecast has also been chosen in such a way that it is convenient for the people of the house. Didi always says one thing, your home is your priority, after that you do Satsang and social service. Every woman associated with NRSP believes, accepts and follows it in life. As a result, the men and elders of the house also joined us. There are many such houses where the elders of the house say that the women of our house have made their life so beautiful that we can feel the bliss of heaven while living on this earth.

Through Reiki healing, body and mind are being made beautiful. By giving our best, by imbibing humility, compassion, kindness and affection, the family is also happy. There is no such area of life where the helping hands of the women of NRSP family are not reaching. Whether it is hands full of healing, a mind full of gentle expressions during counseling, hands doing acupressure, whether Annapurna delivering food to the needy or doctors and nurses like Florence Nightingale giving medicines to the people. Raj Didi has proved the partnership of women in this male dominated society.

Woman, don't sleep, woman you are the mine of gems.

|| Narayan Narayan ||
Thought for the day

On the fifth day of the Navratra, prayers are offered to Ma Skandamata who cleanses our negative thoughts and removes worldly tension. NRSP and Rajdidi always emphasize on the power of using right and positive words, soft, somber and humble speech, loyalty and integrity of character. When we tread this path, we surely lead a seven star life.

- Raj Didi

26 March

Narayanreikisatsangparivar
<http://www.narayanreikisatsangparivar.com/>
Narayanreiki

|| नारायण नारायण ||

Wisdom Box (Glimpses of Satsang)

॥ ५ ॥

This column of Wisdom Box is a question answer session. Here are the questions asked in different sessions and their answers as given by Rajdidi:

Question: Nowadays many people talk straight forward and say that we are practical, we are speaking what is right. Sometimes even in the family, people say harsh things to each other on pretext of being practical . Is this behavior correct...??

Raj Didi replied It is good to be practical, but it is not right to say harsh things. Many people say, I am saying practical thing, for example it is mandatory to reach our house at particular time in the evening, late night not permitted. Or someone said that today I have some work, I have to go out, I have to take a class, I will not be able to do cooking, this is practical. But how you say it that matters. Despite being practical, you have to be humble, that is correct... As you said, even in families, some people leave humility and adopt wrong behavior, you do not have to give up humility. Gradually, such a stage should come in your life that your behavior dominates them.

Question: Today's children spend more time on social media and children are not able to imbibe the family rituals properly. Somewhere the logic of the children is also correct, but it is equally important to follow the rituals of the family. What should be done in such a situation...??

Raj Didi replied - Today's young generation wants to become cultured. We want to inculcate good moral values in children, but nowadays TV, What's App, Instagram are many means from which we cannot keep children away even if we want to. First of all, you should have the feeling that you have to inculcate samskaras in your children. Sanskar is not something that is available in the market, which is bought and put. Nowadays, it takes a little more effort to inculcate the good values in the children. Earlier there used to be joint family and there was no social media, so children used to play out door. We too have never heard from our elders, how to inculcate good values in children. Children pick up quickly on what they see rather than what they hear. You tell them to respect elders and if you also respect elders then these good values will be imbibed by them . If you are not doing all this yourself,

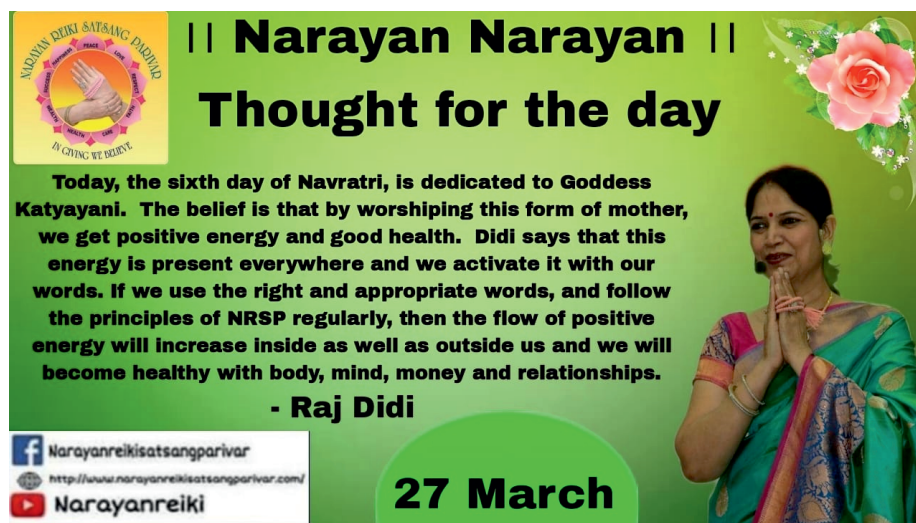
॥नारायण नारायण॥

॥ ॐ ॥

then the child will never do it unless and until some virtuous soul has taken birth in your house. To give values to children, we should also improve our own habits.

Question: Just as all five fingers are not equal, similarly every child cannot be the same. Today's parents have become very aware, they do proper parenting. But sometimes our close relatives start comparing our children, they compare them with other children. In such a situation, how can parents encourage their children again, how to counsel them, Didi please guide.



Raj Didi replied that we are talking about the child who is a little weak. Like you said that all five fingers are not equal, positive affirmations should be given for that child, "We accept you as you are, we love you very much". Everyday parents have to show their love, express it. By doing this, the insecurity within the child will go on decreasing. The weightage of your Positive Affirmations will be more than anything said by the third person. After the third person leaves, if you immediately speak positive affirmations for your child and hug, him the same thing will go inside that child that my parents love me very much. Thirdly person's words will come and go like a gust of wind. We have to say regularly that we love you.



॥ Narayan Narayan ॥
Thought for the day

Today, the sixth day of Navratri, is dedicated to Goddess Katyayani. The belief is that by worshipping this form of mother, we get positive energy and good health. Didi says that this energy is present everywhere and we activate it with our words. If we use the right and appropriate words, and follow the principles of NRSP regularly, then the flow of positive energy will increase inside as well as outside us and we will become healthy with body, mind, money and relationships.

- Raj Didi

 Narayanreikisatsangparivar
<http://www.narayanreikisatsangparivar.com/>
 Narayanreiki

27 March

॥ नारायण नारायण ॥

Youth Desk

A woman is the pivot around whom the entire family revolves. She plays multiple roles and that too in a very subtle manner. Women play the role of mothers, caretakers in family affairs, farmers, educators, entrepreneurs, teachers and so on. The women play significant roles in societal development and ensure the stability, progress, and long-term development of nations. Women also play the role of decision-makers in homes. Globally, women contribute immensely to agricultural development, comprising about 43% of the world's agricultural labor force. In some countries, the number of women involved in the agricultural labor force increases to over 70%. It is noteworthy that agriculture is the bedrock of national development.

At home, women, notably mothers, play the role in decision-making about family meal planning and diet. Women also initiate and preserve the nutritional and healthcare programs of children at home. In addition, women are not only caring for their children at home but are also the primary caretakers of both children and elders in every country of the world. International studies indicate that women lead in finding solutions to the problems occasioned by a change of political and economic organizations in countries, thereby helping the family adjust to new realities and challenges.

As educators, the role or contribution of women to society's transition from pre-literate to the literate period is highly significant. Basic education is key to a nation's ability to develop and achieve sustainable policies and programs. It is evident that education helps to improve agricultural productivity, enhances the status of girls and women, stabilizes population growth rates, enhances environmental protection and, increases the standard of living. It is the mother at home who most often urges children of both genders to attend and stay in school. The role of women is at the front end of the chain of improvement, leading to the family and the community's meaningful progress.

Our very own Raj Didi has not only played a pivotal role as a wife, mother, mother-in-law and Grandmother but also brought light in lives of people all around the world. She is the lighthouse in the lives of people by motivating them to adopt positivity of thoughts words and deeds. Let us all take a pledge to be full of attributes and give our best to the world.

॥ ॐ ॥

Children's Desk

The topic of discussion which Team Satyug chose this time is very special and close to everyone's heart- Role of Female in the creation of World.

When we say creation we decipher - Female.

Creation is common in all the 84 lacs species which are found on this Earth. The story of Adam and Eve is a fine example, where it is believed God created Adam in his own image and then created Eve for procreation.

The Devi Sukta hymn of the Rigveda, a scripture of Hinduism declares the feminine energy as the essence of the Universe, the one who creates all matters and consciousness, the eternal, the infinite, the soul of everything.

Hinduism has always worshipped divinity in female as a form of Shakti.


यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः ।

यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः ॥ मनुस्मृति ३/५६ ॥


यत्र तु नार्यः पूज्यन्ते तत्र देवताः रमन्ते, यत्र तु एताः न पूज्यन्ते तत्र सर्वाः क्रियाः अफलाः (भवन्ति) ।

(जहाँ स्त्रियों की पूजा होती है वहाँ देवता निवास करते हैं और जहाँ स्त्रियों की पूजा नहीं होती है, उनका सम्मान नहीं होता है वहाँ किये गये समस्त अच्छे कर्म निष्फल हो जाते हैं।)

Where women are worshipped, deities reside there and where women are not worshipped, they are not respected, all the good deeds done become fruitless.



॥ नारायण नारायण ॥
आज का विचार






BY GIVING WE BELIEVE

नवरात्र का सातवाँ दिन माँ कालरात्रि को समर्पित है, जिन्होंने हमें सभी कष्टों से मुक्त कर दिया । इस नवरात्र में हमने संकल्प लिया है कि हम अपने साथ जुड़े सभी लोगों के जीवन को आसान बनाएंगे और केवल उनकी मुस्कान का कारण बनेंगे । बदले में प्रकृति हमारे साथ आज जो अच्छा हो रहा है, उससे कई अधिक गुना प्राप्त हो इसका आशीर्वाद हमें देगी ।

- राज दीदी

२८ मार्च

 [Narayanreikisatsangparivar](https://www.facebook.com/Narayanreikisatsangparivar)
 <http://www.narayanreikisatsangparivar.com/>
 [Narayanreiki](https://www.youtube.com/Narayanreiki)

॥नारायण नारायण॥

॥ ॐ ॥

Today the world celebrates 8th March as Women's day but Hinduism worshipped women as a pure energy in the form of Mata and celebrate the Chaitra Navratra and the Ashwini Navratra where Mother Durga is worshipped in her various forms. The feminine energy is said to manifest in three forms namely Durga, Lakshmi and Saraswati the embodiment of power, wealth and wisdom. The Navratri worships all these forms.

According to Hinduism Shiva and Shakti form the Adi shakti the most powerful form and the genesis of creation.

The female form does not only procreate but is also responsible for the manifestation of the different forms of emotions. She is fertile, she is benevolent, she is the bestower at the same time she can be aggressive, malevolent, the destroyer.

She is the mother, the sister, the daughter, the wife. She is the embodiment of love, devotion, sacrifice. She is strong, independent and also powerful.

With these powerful characteristic Females have played an important role in shaping the beliefs, practices, culture, economy in every era and will continue to inspire and influence the lives of all those associated with her today and forever.

Celebrating Feminism and Women.



॥ नारायण नारायण ॥
आज का विचार

नवरात्रि की अष्टमी की तिथि को मां महागौरी की पूजा का विधान है। मान्यता है कि मां गौरी की पूजा करने से नकारात्मकता से मुक्ति मिलती है। राजदीदी और एनआरएसपी के ऑनलाइन कन्फेशन एंड कमिटमेंट की प्रक्रिया जब हम फॉलो करते हैं तो हम अपनी गलतियों के प्रति जागृत होते हैं और जब हम ब्रह्मांड व नारायण से माफी मांगते तो हम अपने नकारात्मक व्यवहारों से मुक्ति पाते हैं और सही और उचित राह पर चल कर, ईमानदारी वफादारी और विनम्रता धारण कर सप्त सितारा जीवन की ओर अग्रसर होते हैं।

- राज दीदी

२९ मार्च

Narayanreikisatsangparivar
http://www.narayanreikisatsangparivar.com/
Narayanreiki

Narayan divine blessings with Narayan Shakti to Ranjita Malpani on her birthday (12th March) for a seven star life blessed with good health, wealth, peace, prosperity, name, fame, money, success and happiness.

॥नारायण नारायण॥

॥ ॐ ॥

Under The Guidance of Rajdidi

On the occasion of International Women's Day, when we prostrated to the Women Power the first person who came to our mind was our Guru Rajdidi. Raj Didi has established the truth that to change life, power is not essential, but the vibrations of love, humility and self-transformation are required. Her life is a personification of the fact that a gentle housewife, if she wishes, can fill the whole world with positivity through her humility, prayer, her spiritual knowledge and connection with the Supreme Father. Didi has filled the lives of the whole world with happiness with her words and techniques. Here are such sharing's: -

Results of Adopting Humility: - Didi, in the beginning of the year, I also took a vow to adopt humility and a miracle happened in a few days. Six years ago, I had lost my gold chain. Miraculously, my cook called to tell me that he had found my chain in the washing machine tub. I sold that washing machine to my cook many years ago. Due to some fault in the machine, the cook opened the wash tub, there he found the chain. It is nothing less than a miracle for me as I had given up hope of getting that chain.

Shailaja: I live in America. I got inspired after listening to Raj Didi's video 'How to Manage Hurt' wherein Didi guides to forgive everyone and I adopted this. Not only this, I also messaged my near dear that I will not let any misunderstanding happen in future and respect the relationships. Not only this she shares that as soon as she did this, she immediately received an email with the much-awaited job offer. Thank you so much Didi.

Jackpot Sharing- Unethical Relationship: - A few months ago I was talking about you Didi, with my parlor lady. A woman sitting there was listening to our words and she asked me what-how to pray. I explained to her and she also took my number. After 2-3 days I got a call and she told me that since the last 14 years she is living separately from her husband as husband Dev is having relation with some other woman. I informed her about your sessions and assured her that you just pray, Narayan will take care of everything. That woman was so convinced that she completely adopted everything you said. A few days ago, I got a call from her, and she happily told me that her husband had called her to Delhi. And then a miracle happened, she is now living in Delhi with her husband. She says that by following the path shown by Rajdidi, within 4 months, all the knots in my life were untied, which were entangled for the last 14 years. Now she is living with her husband, going to get a house, children are also getting admission in Delhi school. Infinite thanks to Narayan and Rajdidi for everything.

Adopting Vani sadhana (Sadhana of Speech) made the house Ramayana: Didi, I and my

॥ नारायण नारायण ॥

husband have done a lot of work on Vani (speech) according to your guidance. This time when my husband went to the village, he took a vow that no matter what happens, he will not retaliate. At the same time, we also gave the same confirmation from here that Lakshman ji is going to meet Lord Ram, Sita Mata and Dashrath ji. Didi, the atmosphere of the house had become just like Ramayana, as soon as some Narayan situation seemed to arise, my husband used to move away from there and maintained complete restraint on his speech. On the other hand, when I also went to my maternal home, I explained to my parents that sister-in-law is Lakshmi of our house, she is Annapurna in reality, mother is Saraswati. Sister-in-law took very good care of us and there was a Ramayana-like atmosphere in the maternal home as well. Before coming, I have written everything and put it on the wall, that sister-in-law is Lakshmi, Saraswati and Annapurna of our house, so that my parents read it every day and follow it. Everything is the fruit of your guidance Didi. Didi says that if we all have this beautiful feeling and vibration, when we go to meet someone, then understand that the Golden Age has come, Ramayana will be present in every house and Ram, Lakshman and Sita will be present in the people. Our India is great.

My Life has changed: - Ever since I got married, I used to suspect my husband of having an extra marital relationship with his sister-in-law (Bhabhi). I used to secretly watch my husband when he used to bring money to my mother-in-law. I used to get angry on every small and big thing and used to scold my husband, mother-in-law and sister-in-law, most of my life was spent in fighting. Husband was an alcoholic, I used to taunt him for immoral relations. The result was that my first child could survive only for 6 days. Then a daughter was born, one of her eyes is small. After that I had to have an abortion. After that a son was born, he was admitted to the hospital many times in a year. My health was also Narayan help, thyroid dosage increasing day by day, my leg veins are weak and I look older than my age. Me and my husband in the last several years for the happiness and peace of the house, performed many pujas, havans, observed fasts, bowed our heads, invested money on astrologers but all was in vain. One night when my husband left home in a fit of rage, I thought of ending my life. It was then Raj Didi's video suddenly surfaced on YouTube and after watching that video, I realized that all these are the fruits of my actions which I have done in the last many years. I started prayers at Narayan Bhawan from the very next day, just then the jackpots started rolling in. Now my husband has given up drinking, my daughter scored 95% in her 12th standard. My son is also a sparkling star. I seek forgiveness at Narayan Bhavan for my negative deeds and take a vow to remain positive throughout my life. Didi says, this is a great message from nature, that we should use right words and have positive thinking and behaviour.

॥ ॐ ॥

Inspirational Memoirs

In this special issue on the occasion of Women's Day, we present here stories of some such women who made their life meaningful:



Gargi

Gargi was a learned woman of ancient India. Vidushi Gargi's original name was Vachaknavi and she was the daughter of Vachaknu Rishi, but since she was born in the Garga gotra, she became famous by the name Gargi. Gargi was deeply interested in Santana philosophy and education and by studying these she became quite a scholar. King Janak once organized a philosophical meeting called Brahmayagya, in which great sages and scholars took part. King Janak thought that all the scholars and sages have come here, why not do something so that it can be found out who is the best scholar among them all?? The prize of such a big exam should also be big, for this, King

Janak fixed 10 tolas of gold on the horns of one thousand cows and announced that whoever is the best scholar should take these cows. No one came forward for a long time, after some time Yagyavalkya asked his disciple to take all these cows. On hearing this, everyone protested there and other scholars told Vidushi Gargi that, "If you consider yourself to be the best scholar, then you will have to prove it" and everyone challenged Yagyavalkya for a debate. Yagyavalkya agreed to this, everyone asked questions in turn and Yagyavalkya satisfied everyone with his answer. A moment came when everyone became calm and Yagyavalkya was considered a scholar. Gargi was also present in that assembly, Gargi sought permission from the king to debate. Everyone was surprised to see such courage by a woman that even great scholars became speechless in front of Yagyavalkya, then what would this woman do? But Prajapalak King Janaka respected Gargi and gave permission for a debate. On the basis of his in-depth study, Gargi continuously asked Yagyavalkya very subtle and sharp questions on souls and people. The king and the assembly were surprised by the high level of Gargi's questions, everyone understood that Gargi was not an ordinary woman. And here, Yagyavalkya was continuously answering the questions of Gargi, but after some time he also bowed down and became silent. After Yagyavalkya became silent, Gargi suddenly bowed before Yagyavalkya and accepted him as the best scholar because Gargi was not doing this debate to defeat Yagyavalkya. Gargi knew the answers to all the questions, but she was asking questions only because the

॥ नारायण नारायण ॥

subtlest knowledge could be discussed. After the end of the questions, the whole assembly paid respect to Yagyavalkya as well as Gargi and praised both of them openly. This was not an ordinary debate, but Brihadaranyaka's Richas have been built on the basis of the debate that took place between Gargi and Yagyavalkya. Gargi has been highly praised in the Upanishads as a unique philosopher. For this reason, even today in our country, awards are given to women and girls in the name of Gargi.



Rajiya Sultan

Razia Sultan, the daughter of Iltutmish, was the first female ruler of Muslim society who went to the court without the purdah. After the death of her father, Razia was made the Sultan of Delhi. Razia was proficient in policy and governance from the beginning, due to which she carried out many works related to public welfare. However, because of her relationship with her lover Yakut, her kingdom had to face rebellion from the Turk rulers and eventually led to her death.

Durgabai Deshmukh



India's freedom fighter Durgabai Deshmukh does not need any introduction. At the age of just 14, on the basis of his powerful speech, who forced even the Father of the Nation, Mahatma Gandhi, to think. Durgabai Deshmukh, rich in such extraordinary talent, was born on 15 July 1909 in Kakinada, Rajahmundry district of Andhra Pradesh. She grew up under the care of her mother Krishnavenamma after her father Sri Rama Rao passed away at an early age. And Durgabai had the attributes of patriotism and social service in her mind since childhood. On whose strength he participated in the Salt Satyagraha along with the famous leader T. Prakasam, during which he was jailed for one year. But Durgabai Deshmukh did not give up. Rather, as soon as he came out of jail, he again showed activism in the movement. Not only this, Durgabai Deshmukh established many institutions and training centers for the upliftment of women in Andhra Pradesh. Along with this, the encyclopedia of social service in India published by the Planning

॥ ॐ ॥

Commission after independence was also prepared under his direction. Along with this, she fought a lot for the rights of women after studying law. At the same time, Durgabai Deshmukh was also honored with the UNESCO Award for doing excellent work in the field of literacy. Durgabai Deshmukh passed away on May 9, 1981, but the family courts established by her are working for the rights of many families and women and children.



Kadambini Ganguly

Born on 18 July 1961, in Bhagalpur, Bihar, Kadambini Ganguly was the first woman to take a medical degree. Her father Brij Kishore Basu always paid attention to his daughter's education. Higher education for women may have been difficult during the British period, but at the same time, Kadambini became world famous not only in India but also in South Asia as the first medical degree holder woman. Not only this, Kadambini had also collected a lot of donations for the Satyagraha movement of the Father of the Nation, Mahatma Gandhi. So, influenced by the works of

Bankim Chandra Chatterjee, Kadambini showed activism in social work. Because of which she has the distinction of being the first woman to deliver a speech at the session of the Indian National Congress. Kadambini also raised her voice for the women working in the coal mines. But Kadambini left us on 3 October 1923 in Calcutta. But her love for the country is an inspiration for every Indian.



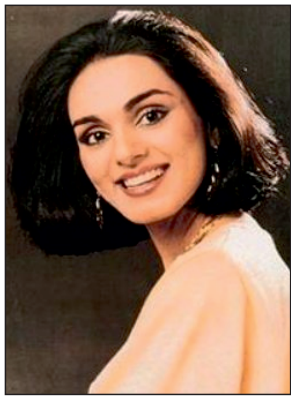
Kalpana Chawla

India's brave daughter Kalpana Chawla may have stopped flying with the crash of Columbia Space Shuttle on February 1, 2003, but even today she is an example for the world. Kalpana Chawla, who is called the angel of space, was born in Karnal, Haryana. Kalpana was the first Indian to go into space. Her father's name was Banarasi Lal and mother Her name is Sanjayoti Devi, in childhood everyone used to call her Motu with love. Friends, according to the name Kalpana (Visualize), since childhood, Kalpana could think in depth, she always used to think about the sky and its heights, the moon and the stars. Kalpana's early education was done at Tagore School in Karnal,

॥ नारायण नारायण ॥

then Kalpana took aeronautical engineering degree from Engineering College, Chandigarh in 1982, after that she went to America to fulfill her dreams where she studied in Colorado. Received PhD degree from the University. Kalpana was included in NASA in 1988, here she did a lot of research, looking at her dedication and hard work, she was later included in the top 15 team of space mission. Soon her name also came in the team of 6 people who were to be sent into space. Kalpana's dreams took wings, her first space mission started on 19 November 1997 with a team of astronauts aboard the Space Shuttle Columbia flight STS-87. Kalpana Chawla was the first Indian woman to fly in space. This mission was successfully completed on 5 December 1997. After that mission, India's talent was recognized all over the world. At that time the people of India did not even understand the space. At that time India's daughter Kalpana Chawla hoisted India's flag in the whole world by going into space. Everyone saluted her spirit and again after 5 years NASA selected her to go into space. Kalpana Chawla's second flight started from Columbia Space Shuttle on 16 January 2003, it was a 16-day mission. On this mission, she along with her colleague did about 80 tests and experiments. But then something happened that brings tears to the eyes, the whole world, including scientists and space lovers standing with flowers in their hands to welcome them, was shocked to see that sight. Only 16 minutes were left before landing on the earth, then suddenly the satellite exploded and killed Kalpana as well as all the astronauts.

Friends, Kalpana may have been a victim of that accident, but she is still alive in our hearts, she is an ideal for the people of the whole world today.



Neeraja Bhanot

Since childhood, Neeraja Bhanot had a strong desire to sit in an airplane and fly in the sky. Neeraja fulfilled her wish by joining the Pan Am airlines. On January 16, 1986, Neeraja's wish of touching the sky really got wings. Neeraja started working as an air hostess in Pan Am airline. September 5, 1986, the time came when it was the turn of the real test of Neeraja's life. A Pan Am 73 plane waiting for its pilot at the airport in Karachi, Pakistan. About 400 passengers were sitting in the plane. Suddenly 4 terrorists took the entire aircraft at gun point. They compelled the Pakistani government to send the pilot to the plane soon. But the Pakistani government refused to do so. Then the terrorists called Neeraja and her associates to collect the passports of all the passengers so that they can put pressure on Pakistan by killing the American citizen. Neeraja collected the passports of all

॥ नारायण नारायण ॥

॥ ॐ ॥

the passengers and hid the passports of 5 American passengers sitting in the plane and handed over the passport to terrorists. After that, the terrorists brought a British to the gate of the plane and threatened the Pakistani government that if the pilot was not sent, they would kill him. But Neerja saved that British citizen also by talking to that terrorist. Slowly 16 hours passed. There was no result of the talks between the Government of Pakistan and the terrorists. Suddenly Neerja realized that the fuel in the plane could run out any time and after that it would be dark. Soon she asked her associates to distribute food to the passengers as well as give cards explaining the emergency exits of the aircraft. Neerja had come to know that the terrorists wanted to kill all the passengers. So, she first gave the food packets to the terrorists, as she thought that after having satiated their hunger, they might talk with a calm mind. Meanwhile, all the passengers identified the emergency doors. It happened as Neerja Bhanot had thought. The plane ran out of fuel and it was dark all around. Neerja was waiting for this time. Immediately she opened all the emergency doors of the aircraft. As per the plan, all the passengers immediately started jumping down from those doors. And the terrorists also started firing in the dark. But Neerja saved almost all the passengers with her courage. Some were definitely injured but were fine. Now it was Neerja's turn to escape from the plane, but only then she heard the cries of children. On the other hand, Pakistani army commandos had also come in the plane. They killed three of the terrorists. On the other hand, Neerja had found those three children and started moving towards the emergency door of the plane with them. Then suddenly the fourth remaining terrorist stood in front of them. Neerja pushed the children towards the emergency door and confronted the terrorist herself. The terrorist fired several bullets into her chest. Neerja sacrificed herself. That fourth terrorist was also killed by Pakistani commandos but they could not save Neerja.

After the sacrifice of Neerja Bhanot, the Government of India awarded her the highest civilian award 'Ashoka Chakra'.

The Government of Pakistan also awarded 'Tamga-e-Insaniyat' to Neerja. Neerja was indeed one of the greatest heroines of independent India. In 2004, a postage stamp has also been issued in honor of Neerja Bhanot. Internationally, Neerja's name is famous as 'Heroine of Hijack'. In 2005, America gave him the 'Justice for Crime Award'.

**Narayan divine blessings with Narayan Shakti to Ayodhya Devi Malpani
on her birthday (25th March) for a seven star life blessed with good
health, wealth, peace, prosperity, harmony and happiness.**

॥ नारायण नारायण ॥

GOLDEN SIX

1) Prayer -Thank you Narayan for always being with us because of which today is the best day of our life filled with abundance of love, respect, faith care, appreciation, good news and jackpots . Thank you Narayan, for blessing us with infinite peace and energy. Narayan, Thank you for blessing us with abundant wealth which we utilize. We are lucky and blessed. With your blessings, Narayan, every person, place, thing, situation, circumstances, environment, wealth, time, transport, horoscope and everything associated with us is favourable to us. We are lucky and blessed .Thank you Narayan for granting us the boon of lifelong good health because of which we are absolutely healthy. Thank you Narayan with your blessings we are peaceful and joyous, we are positive in thoughts, words and deeds and we are successful in all spheres of life. Narayan dhanyawad.

2) Energize Vaults - Visualize a rectangular drawer in which you store your money. Visualize Rs 2000 notes stacked in a row, followed by Rs 500/- , Rs100/- , Rs 50/-, Rs20/- Rs10/- and a silver bowl with various denomination of coins. Now address the locker 'You are lucky, the wealth kept in you prospers day by day.' Request the notes "Whenever you go to somebody fulfill their requirements, bring prosperity to them and come back to me in multiples." Now say the Narayan mantra, "I love you, I like you, I respect you, Narayan Bless you" and chant Ram Ram 56

3) Shanti Kalash Meditation – Visualize a Shanti Kalash (Peace Pot) above your crown chakra. Chant the mantra" Thank You Narayan, with your blessing I am filled with infinite peace, infinite peace, infinite peace. Repeat this mantra 14 times."

4) Value Addition - Add value to cash and kind (even food items) you give to others by saying Narayan Narayan or by saying the Narayan mantra.

5) Energize Dining Table/ Office table - Visualize the dining table/ office table and energize it with Shanti symbol, LRFC Carpet, Cho Ku Rei and Lucky symbol. Give the message that all that is kept on the table turns into Sanjeevini.

6) Sun Rays Meditation - Visualize that the sun rays entering your house is bringing happiness, peace, prosperity, growth, joy, bliss, enthusiasm and health sanjeevini. Also visualize your wishes materializing. This process has to be visualized for 5 minutes.

Finest Pure Veg Hotels & Resorts



Our Hotels : Matheran | Goa | Manali | Jaipur | Thane | Puri | UPCOMING BORIVALI (Mumbai)

THE BYKE HOSPITALITY LIMITED

Shree Shakambhari Corporate Park, Plot No.156-158,

Chakravati Ashok Complex, J.B.Nagar, Andheri (East), Mumbai - 400099.

T.: +91 22 67079666 | E.: sales@thebyke.com | W.: www.thebyke.com